साहित्य वार्ता
दिनांक 17/09/21
प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 17 सितंबर 2021, दिन– शुक्रवार से साहित्य वार्ता मंच को ऑनलाइन माध्यम पर पुनःआरंभ किया गया | जिसमें "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत व्याख्यान शृंखला शुरू की गई| आज इसमें 'राष्ट्रीय काव्यधारा' विषय पर प्रोफेसर एवं कथाकार देवेंद्रनाथ सिंह, अधिष्ठाता कला अध्ययनशाला एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग तथा पत्रकारिता विभाग का एकल व्याख्यान आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान मे सर ने राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्रता के लिए लोगों एवं साहित्यिक क्षेत्र में प्रयासरत कवियों की कविताओं को उद्धृत किया। अपनी बात में नवजागरण की चर्चा करते हुये, भारतेन्दु युग से आधुनिकता की शुरुआत की बात कही। साथ ही यह भी बताया कि प्रथम बार कांग्रेस द्वारा पूर्ण स्वराज्य की मांग की। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुये सर ने बताया कि उस वक्त सिर्फ राजनेता ही आजादी की लड़ाई नहीं लड़ रहे थे बल्कि साहित्यकार भी अपने लेखन से आजादी की चेतना का प्रसार कर रहें थे। उस दौर में मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत भारती' कविता, माखनलाल चतुर्वेदी और सुभद्राकुमारी चौहान की कविताएं राष्ट्रीय धारा की कवितायें थी। माखनलाल चतुर्वेदी ने मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों में रहकर कवितायें लिखीं। 'पुष्प की अभिलाषा 'कविता अविभाजित मध्यप्रदेश के बिलासपुर की सेंट्रल जेल में रहते हुये लिखी। लेकिन राष्ट्रकवि की उपाधि मैथिलीशरण गुप्त और दिनकर को मिली। लेकिन साहित्य जगत में उन्हें 'एक भारतीय आत्मा" के रूप में पहचान मिली। आगे सर में अपने व्याख्यान को संक्षिप्त करते हुये माखनलाल चतुर्वेदी की कविता "अमर राष्ट्र 'पर अपनी बात केन्द्रित की। कविता की प्रत्येक पंक्ति के पीछे की पृष्ठभूमि को बताते हुये कविता की व्याख्या की।

अंत में अपने ही राष्ट्र में हिन्दी भाषा की उपेक्षा की ओर ध्यान केन्द्रित करते हुये अपनी बात समाप्त की जिसमें चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि हमें आज भी अपने देश में अपनी ही भाषा में अभिव्यक्ति के लिए लड़ना पड़ रहा है | हमें अपने ही देश में न्याय प्राप्त करने के लिए अंग्रेजी भाषा में निर्णय सुनना पड़ रहा है |

आज साहित्य वार्ता में लगभग 25 विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने गूगल मीट पर ऑनलाइन सहभागिता की| जिसमें विभाग के शिक्षक डॉ रमेश कुमार गोहे, डॉ शोभा बिसेन, डॉ राजेश मिश्रा, डॉ लोकेश कुमार, डॉ अखिलेश गुप्ता एवं अन्य शिक्षक, अन्य विभागों से डॉ ब्रजेश तिवारी,पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग भी जुड़े एवं व्याख्यान का लाभ लिया |

कार्यक्रम का संचालन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गौरी त्रिपाठी ने किया |

डॉ.रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक,हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़
94256-29955

Scanned with CamScanner